सहायक प्राध्यापक परीक्षा– 2017

पाठ्यक्रम

विषय :– संस्कृत प्राच्य

वैदिक साहित्य का सामान्य अध्ययन

वैदिक साहित्य– वेदकाल निर्णय, संहिता परिचय, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद, वेदांत, **ऋग्वेद सूक्त** – अग्निसूक्त, इन्द्रसूक्त, वाक्सूक्त, नासदीयसूक्त, पुरूषसूक्त,हिरण्यगर्भसूक्त,पुरूखा–उर्वशी संवादसूक्त, यम–यमीसंवादसूक्त, विश्वामित्र – नदीसंवादसूक्त, सरमा–पाणिसंवादसूक्त।

यजुर्वेद–अथर्ववेद–सूक्त – शिवसंकल्पसूक्त, पृथ्वीसूक्त, राष्ट्राभिवर्धनसूक्त।

ब्राह्मण आरण्यक साहित्य – वाङ्.मनः संवाद (शतपथब्राह्मण अ.4 ब्रा.5)
पंचमहायज्ञ (तैत्तिरीयारण्यक प्रपा. 2 अनु. 10)
शुनःशेप–आख्यान (ऐतरेयब्राहम्ण अ.33)

पुराणेतिहास – पुराणशब्दार्थ, लक्षण, परिचय, प्रतिपाद्य विषय, महत्व ।

निरूक्त – पदविचार, आख्यातविचार, उपसर्गनिपात, किया के–षड्भावविकार निरूक्त अध्ययन के उद्देश्य– आचार्य, वीर, द्वद, गो, समुद्र, वृत्र, आदित्य, उषस, मेघ, वाक्, उदक, नदी, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर, की निरूक्तियां।

तैत्तिरीयोपनिषद् – शिक्षावल्लरी, भृगुवल्लरी पाणिनीय शिक्षा

सन्दर्भग्रन्थ सूची – ऋक्सूक्तसंग्रह, पाणिनीय शिक्षा, वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, यजुर्वेद संहिता, अथर्ववेदसंहिता, निरूक्त, तैत्तिरीयोपनिषद्। संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– डॉ.कपिलदेव द्विवेदी, संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि

भारतीय दर्शन – तर्कभाषा– प्रत्यक्ष, अनुमान व शब्द प्रमाण।
सांख्यकारिका, पातजलयोगसूत्र –समाधिपाद और साधनपाद,
वेदान्तसार, अर्थसंग्रह – उपपत्ति, विधिविवेचन पर्यन्त, नास्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय।

सन्दर्भग्रन्थ सूची – तर्कभाषा, सांख्यकारिका, पातज्जलयोगसूत्र, वेदान्तसार, अर्थसंग्रह, सर्वदर्शन संग्रह । भारतीय दर्शन की रूपरेखा – डॉ. बलदेव उपाध्याय।

पालि–प्राकृत और भाषाविज्ञान – धम्मपद (चित्रवग्गो, धम्मवग्गो, वुद्धवग्गो, भिक्खुवग्गो, बाह्मणवग्गो),कप्पूरमज्जरी–प्रथमजवनिकान्तर । भाषास्वरूप वर्गीकरण, ध्वनिविज्ञान और अर्थविज्ञान– ध्वनिपरिचय, उच्चारणस्थान, ध्वनि–परिवर्तन के कारण, अर्थलक्षण, अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ, अर्थपरिवर्तन के कारण। भारतीय भाषाशास्त्रीय चिन्तन –स्फोट चतुर्विध, वाक्पदलक्षण, वाक्यार्थबोध, शब्दार्थसम्बन्ध, शब्दनित्यत्ववाद।

सन्दर्भग्रन्थसूची – भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र– कपिलदेव द्विवेदी
भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी
भाषाविज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
वाक्यपदीय, धम्मपद, कर्प्पूरमंजरी–राजशेखर

व्याकरण – लघुसिद्धान्त कौमुदी – संज्ञाप्रकरण, सन्धि प्रकरण, समासप्रकरण, स्त्रीप्रत्यय प्रकरण । वैयाकरणसिद्धान्त कौमुदी –कारकप्रकरण ।

सन्दर्भग्रन्थसूची – लघुसिद्धान्त कौमुदी, वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी ।

धर्मशास्त्र – मनुस्मृति– प्रथम, द्वितीय एवं सप्तम अध्याय ।
याज्ञवल्क्यस्मृति – व्यवहाराध्याय–दायविभागप्रकरण ।
कौटिल्यार्थशास्त्र–प्रथम अधिकरण ।

संदर्भग्रंथसूची– मनुस्मृति, याज्ञवल्क्यस्मृति, कौटिलीयार्थशास्त्र।

साहित्य – काव्यप्रकाश – प्रथम से पन्चमाध्याय, सप्तम से रसदोप अष्टम उल्लास
नाटयशास्त्र–षष्ठ–अध्याय
ध्वन्यालोक – प्रथम–उद्योत
औचित्यविचारचर्चा,
साहित्यदर्पण – षष्ठपरिच्छेद

संदर्भग्रन्थसूची – काव्यप्रकाश, नाट्यशास्त्र, ध्वन्यालोक, औचित्यविचारचर्चा, साहित्यदर्पण ।

संस्कृत साहित्य का इतिहास – रामायण, महाभारत, श्रीमद्भागवत, महाकाव्य, खण्डकाव्य, गद्य काव्य, चम्पूकाव्य, रूपक, उपरूपक,

अलंकार शास्त्र का इतिहास – अलंकार –शास्त्र के सम्प्रदायों का परिचय।
वामन भामह, दण्डी, विश्वनाथ, मम्मट, आनन्दवर्धन, कुंतक, क्षेमेन्द्र, पण्डितराज, जगन्नाथ, राजशेखर आचार्य एवं उनके ग्रंथ ।

संदर्भग्रन्थसूची – संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ.उमाशंकर शर्मा ऋषि ।
संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय।
अलंकारशास्त्र का इतिहास – डॉ. कृष्णकुमार
अलंकार शास्त्रेतिहासः – डॉ. जगदीशचन्द्र मिश्र